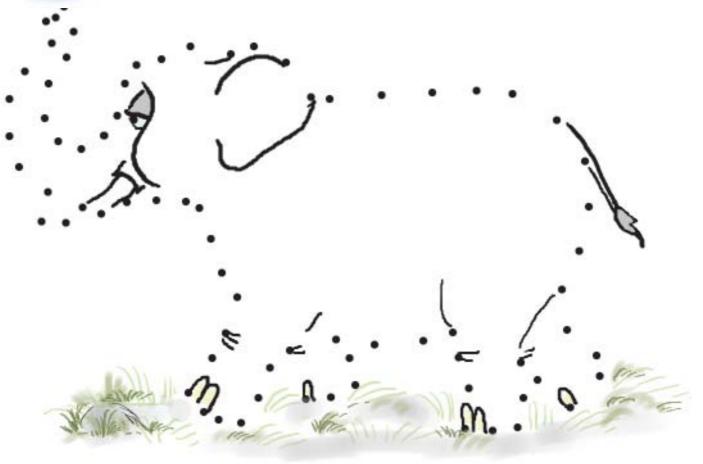


बिंदु जोड़कर चित्र पूरा करो।



शाबाश! अब चित्र में कोई रंग भरो।







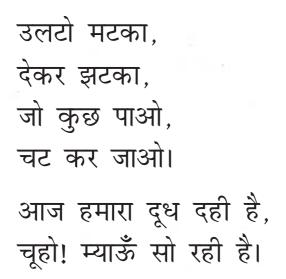
8. चूहो! म्याऊँ सो रही है

घर के पीछे, छत के नीचे, पाँव पसारे, पूँछ सँवारे।

देखों कोई, मौसी सोई, नासों में से, साँसों में से।

घर घर घर घर हो रही है। चूहो! म्याऊँ सो रही है।

> बिल्ली सोई, खुली रसोई, भरे पतीले, चने रसीले।





मूँछ मरोड़ो,
पूँछ सिकोड़ो,
नीचे उतरो,
चीज़ें कुतरो।
आज हमारा,
राज हमारा,
करो तबाही,
जो मनचाही।
आज मची है,
चूहा शाही,
डर कुछ भी चूहों को नहीं है,
चूहो! म्याऊँ सो रही है।





घर के पीछे, छत के नीचे



पाँव पसारे, पूँछ सँवारे



भरे पतीले, चने रसीले



उलटा मटका, देकर झटका



मूँछ मरोड़ो, पूँछ सिकोड़ो



नीचे उतरो, चीजें कुतरो

चलो, चूहा बनाएँ

तीन लिखो

मूँछ कान बनाओ स्म



आँखें और पैर बनाओ



पूँछ बनाओ







तुक मिलाओ, आगे बढ़ाओ





यह चित्र बिहार की मधुबनी शैली में बना है। इस चित्र की ओर बच्चों का ध्यान दिलाएँ।